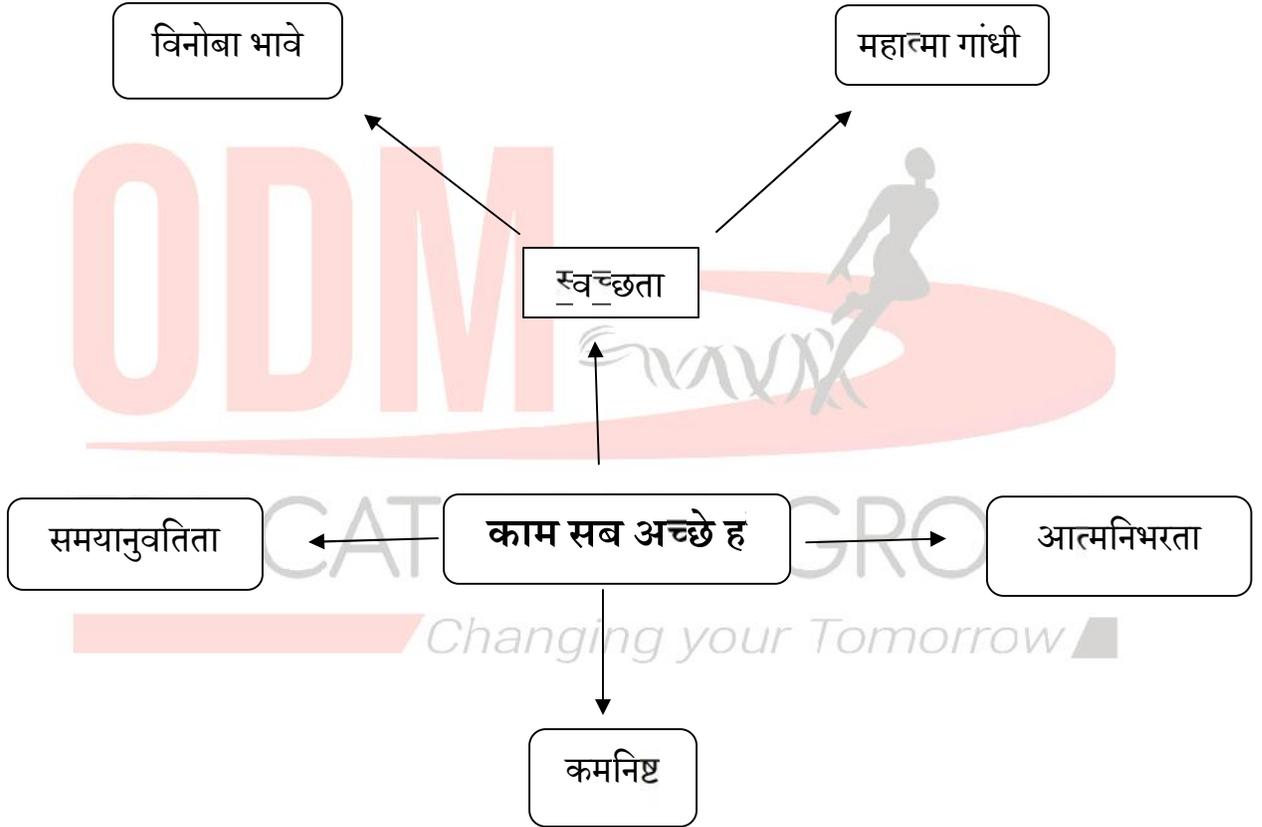


Chapter- 3

काम सब अच्छे ह

STUDY NOTES

MIND MAP

सारांश- आचार्य विनोबा भावे जी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के अग्रणी शिष्यों म से एक थे। वे गांधी जी के सत्य अहिंसा और समय पालन के विचारों से बहुत अधिक प्रभावित थे। उन्होंने गांधी जी के साथ कई आंदोलन म भाग लिया। वे बच्चों को पढ़ाने - लिखने तथा आस-पास स्वच्छता रखने के लिए जागरूक करते थे।

विनोबा जी सदा गरीबों को सहायता करते थे। उनका भूदान- यज्ञ बहुत प्रसिद्ध है। वे जमोंदारों से भूमि दान म लेकर उन किसानों को दे देते जिनके पास अपनी भूमि नहीं होती। एक बार वे एक गांव को पाठशाला म ठहरे। वहां शौचालय नहीं था। पाठशाला के आस-पास गंदगी भरी थी, जिसे देखकर विनोबा जी को दुख हुआ। उन्होंने छात्रों से पूछा गंदगी कौन करता है? वे एक - दूसरे को तरफ देखने लगे। उन्होंने बच्चों से कहा कि वे गंदगी मचाते ह तो उन्हें स्वयं ही साफ़ करनी चाहिए। एक लड़के ने कहा कि वह सफ़ाई वाला नहीं है। उन्होंने लड़के को अपने पास बुलाकर प्यार से पूछा कि जब वे छोटे तो उसके हाथ- पैर कौन धोति था? गंदगी कौन साफ़ करता था? लड़के ने बताया कि उसको मां। विनोबा जी ने समझाया जो गंदगी साफ़ करता है वह सचमुच मां का ही काम करता है। काम सब अच्छे होते ह।

